RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 07 जनवरी 2025 वर्ष 06 अंक 265 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

कल्याण-डोंबिवली में पानी जमा हो गया, बिजली लाइन टूटी...

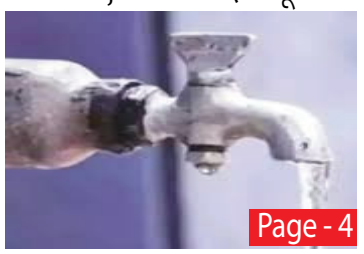

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र में राजनीति हलचल तेज...

मनपा चुनाव में अकेले लड़ेगी भाजपा !

उद्धव ठाकरे ने भी अपनाया एकला चलो रुख...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में इस साल निकाय चुनाव होने है। जल्द ही इसका बिगुल बज सकता है। ऐसे में राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। मनपा चुनाव लड़ने के इच्छुकों ने अपनी-अपनी तैयारी शुरू कर दी है। लेकिन हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में एकसाथ लड़ने वाले दल निकाय चुनाव में भी एकसाथ लड़ेंगे इस पर सवाल खड़े हो रहे है। सबसे बड़ा सवाल बना यह है कि इस बार भाजपा और कांग्रेस अपने सहयोगियों को साथ रखेगी या नहीं या फिर अकेले दम पर यह भिड़ंत होगी।

अलग-अलग संभावनाओं के बीच क्षेत्रीय व राज्य स्तरीय दलों की अड़चनें बढ़ने के आसार दिखाई दे रहे हैं। राज्य के दो प्रमुख दलों भाजपा व कांग्रेस ने अभी सहयोगी तय नहीं किए हैं। दोनों दलों के प्रमुख नेता खुले तौर पर कह रहे हैं कि गठबंधन का निर्णय स्थानीय स्तर पर लिया जाएगा। गौरतलब है कि मार्च 2022 में मनपा पदाधिकारियों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी अब तक चुनाव नहीं हो पाए हैं। ओबीसी आरक्षण के मामले को लेकर चुनाव लंबित है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। वहीं सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि न्यायालय इस संबंध में जल्द ही अंतिम निर्णय सुनाएगी।

महाराष्ट्र निकाय चुनावों से पहले भाजपा ने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर लिया है। भाजपा ने एक मजबूत सदस्यता अभियान के साथ-साथ बूथ, मंडल और जिलों के प्रमुखों की नियुक्ति के लिए अपनी संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

अब सवाल यह आता है कि भाजपा अकेले क्यों चुनावी मैदान में उतरने वाली है? इसका सीधा सा जवाब यह है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी को मिली बंपर जीत। इस जीत के बाद मुख्यमंत्री बने देवेंद्र फडणवीस का नागपुर में ग्रैंड वेलकम हुआ था। तब इसे एक शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा गया था। इस महाजीत के आत्मविश्वास को साथ लेकर भाजपा अकेले के दम पर निकाय चुनाव लड़ कर एक संदेश देने की कोशिश में है।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुंबई में प्रस्तावित नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर अपनी पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया। उद्धव ठाकरे ने विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब निकाय चुनाव में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने के प्रयास में जुट गए है। महाविकास अघाड़ी के बावजूद मिली हार के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने अब एकला चलो का रुख अपनाया है।

भिवंडी में पेशाब करने से मना करने पर व्यक्ति की पिटाई...

महाराष्ट्र: पेशाब करने से रोकने पर गुस्साए एक व्यक्ति ने कांच की बोतल से युवक के सिर पर वार कर दिया। घटना भिवंडी के बबला कंपाउंड इलाके में हुई। इस मामले में हमलावर फरार है। शिकायतकर्ता भिवंडी के कल्याण रोड इलाके में रहता है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। वह शनिवार रात करीब 11 बजे बबला कंपाउंड इलाके में गाला नंबर 1 के सामने से गुजर रहा था। उस समय वहां 24 वर्षीय युवक पेशाब कर रहा था। शिकायतकर्ता ने उसे पेशाब करने से रोका। इससे नाराज 24 वर्षीय शिकायतकर्ता जो एक साधु था, ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट की। उसने अपने साथ लाई कांच की बोतल से उसके सिर पर बाएं कान के ऊपर वार भी किया। इस मामले में शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में हमलावर फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

एकनाथ शिंदे को मिली जान से मारने की धमकी...

ठाणे पुलिस स्टेशन में लगा रहा शिवसेना कार्यकर्ताओं का जमावड़ा

ठाणे: बीते दिन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले पर ठाणे पुलिस ने कार्रवाई की। इस मामले की जानकारी सोमवारो को अधिकारी ने दी और बताया कि ठाणे पुलिस ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में 26 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। श्रीनगर पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक गुलजारी लाल फडतरे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आरोपी की तलाश जारी है जिसकी पहचान ठाणे शहर के वारली पाडा निवासी हितेश धेंडे के रूप में हुई है। इस दौरान ठाणे पुलिस स्टेशन में शिवसेना के कार्यकर्ता बड़ी मात्रा में

मौजूद रहे।

पुलिस ने विस्तृत जानकारी दिए बिना बताया कि एकनाथ शिंदे को धमकी देने वाले आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उपमुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार को व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

आपको बताते चले कि हाल ही में शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने रविवार को शिवसेना यूबीटी के प्रमुख नेता उद्धव ठाकरे पर जमकर हमला बोला था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को 2024 के विधानसभा चुनाव के नतीजों को अपने विरोधियों के मुंह पर तमाचा बताया, जिन्होंने निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय तक की आलोचना की थी। शिवसेना प्रमुख ने राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए शिवसेना (यूबीटी) के कई नेताओं का अपनी पार्टी में स्वागत करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि शिवसेना मजबूत हो रही है।

कल्याण के पास शाहद रेलवे स्टेशन क्षेत्र में फेरीवालों के खिलाफ की गई कार्रवाई

महाराष्ट्र: मनपा के ए वार्ड की फेरीवाला हटाओ टीम ने शुक्रवार को कल्याण के पास शहाड रेलवे स्टेशन क्षेत्र में फेरीवालों पर कार्रवाई की. इस कार्रवाई में फुटपाथ, सड़क जाम कर कारोबार करने वालों, गैस सिलेंडर से खाद्य सामग्री बेचने वालों पर कार्रवाई की गई। मोहने क्षेत्र में, कुछ राजनीतिक समूह सड़कों और चौराहों को मेहराब बनाकर अवरुद्ध कर रहे थे और उन पर अपने राजनीतिक विज्ञापन कर रहे थे। कुछ लोग उन मेहराबों को किराये पर ले रहे थे। चूँकि इस क्षेत्र में स्थानीय लोगों का वर्चस्व था, इसलिए कोई भी नगर निगम अधिकारी इस मेहराब पर कार्रवाई नहीं कर रहा था। वार्ड ए के सहायक आयुक्त संदीप रोकड़े, फेरीवाला हटाने वाली टीम के प्रमुख राजेंद्र सालुंखे ने मजदूरों, जेसीबी की मदद से उन मेहराबों को तोड़ दिया और सारा सामान जब्त कर लिया.

आयुक्त डॉ. यह कार्रवाई अतिक्रमण नियंत्रण उपायुक्त इंदुरानी जाखड़ अवधूत तावड़े के आदेश पर की गई. शहद रेलवे स्टेशन क्षेत्र

की सड़कें, चौराहे फलों, सब्जियों, खाद्य सामग्री विक्रेताओं से अटे पड़े थे। शहाड रेलवे स्टेशन से मुरबाड क्षेत्र की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक है. इन यात्रियों को फेरीवाले भी परेशान कर रहे थे. कई विक्रेताओं ने फुटपाथ पर स्थायी लोहे और लकड़ी के आश्रय बनाए थे। इन फेरीवालों की बढ़ती शिकायतें सहायक आयुक्त रोका, टीम लीडर सालुंखे के पास आईं। शुक्रवार दोपहर को सहायक आयुक्त रोकड़े, टीम लीडर राजेंद्र सालुंखे के साथ जेसीबी, दस कर्मचारियों की टीम, एक विध्वंस टीम और पुलिस बल शहाड रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पहुंचे।

संपादकीय...

छात्रों के साथ अन्याय का सिलसिला...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

गत दिनों बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की एकीकृत 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा में अनियमितता एवं पर्चा लीक के आरोपों के चलते पूरी परीक्षा को रद करने की मांग को लेकर पटना में अभ्यर्थियों का धरना प्रदर्शन जारी है। इस बीच पर्चा लीक आरोपों के कारण पटना के कुछ केंद्रों पर इसकी पुनर्परीक्षा कराई गई है। गौरतलब है कि बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा के दौरान एक बड़े परीक्षा केंद्र पर गड़बड़ी एवं पर्चा लीक होने के आरोपों को प्रशासन ने स्वीकारा था। अभ्यर्थियों की दलील है कि एक केंद्र पर पर्चा लीक होने के चलते पूरी परीक्षा पर इसका असर हुआ होगा। इसलिए इस पूरी परीक्षा को रद करके बीपीएससी को दोबारा परीक्षा करानी चाहिए, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके और मेहनती छात्रों को न्याय मिल सके। बिहार शासन द्वारा छात्रों के आंदोलन का दबाने के लिए किए गए अमानवीय बर्ताव करने के बाद भी अभ्यर्थी पुनः परीक्षा की मांग पर अड़े हुए हैं। इस घटना ने बीते वर्ष में कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली के आरोपों के चलते छात्रों के हुए उग्र प्रदर्शनों की याद दिला दी है। पटना में युवाओं को आंदोलन करते हुए दो सप्ताह हो गए हैं, इसके बावजूद इसका किसी परिणाम पर न पहुंच पाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। तीन लाख से अधिक अभ्यर्थियों के भविष्य को प्रभावित करने वाली प्रतियोगी परीक्षा के पहले तो पर्चे लीक होना, फिर उस पर शासन का ऐसा कठोर रवैया किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के अनुरूप नहीं है। लालू-राज में हुए जमीन के बदले नौकरी घोटाले की जांच अभी पूरी भी नहीं हो पाई थी कि बीते साल शिक्षक भर्ती, कम्युनिटी हेल्थ अफसर आदि परीक्षाओं में अनियमितता के आरोप लगना शुभ संकेत नहीं है।

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की साख की बात करें तो यह केवल एक राज्य का मसला नहीं है, अपितु केंद्र द्वारा कराई जा रही परीक्षाएं भी धांधली से मुक्त नहीं हैं। हर साल अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक ही समय में एकल मानक के आधार पर लाखों अभ्यर्थियों का सफल मूल्यांकन कर पाना एक बड़ी चुनौती रहती है। ऐसे में नकारात्मक तत्वों द्वारा जानबूझकर एक छोटी सी गड़बड़ी भी एक ही बार में शासन-प्रशासन एवं अभ्यर्थियों के कठोर परिश्रम पर पानी फेर देती है। पकड़े जाने पर भी कठोर कानूनों के अभाव में बहुत अधिक सजा न हो पाने से भर्ती माफिया और साल्वर गैंग पिछले कुछ समय में बहुत तेजी से सक्रिय हो गए हैं। इसके चलते हाल में सरकार ने सुरक्षित परीक्षा प्रणाली के लिए एक सकारात्मक पहल की है। उसने विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक आदि अपराधों में शामिल लोगों को सजा देने के लिए कठोर कानून बनाया है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

डोंबिवली: 58 महारेरा अवैध इमारतों के मामले में 7 प्रस्ताव अनुपालन प्रस्तुत किए...

महाराष्ट्रः डोंबिवली नगर निगम ने अपने आर्किटेक्ट के माध्यम से नगर नियोजन विभाग को भवन निर्माण नियमों के अनुपालन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। ये प्रस्ताव एक आवेदन के माध्यम से प्रस्तुत किए गए हैं। सभी आवश्यक सरकारी दस्तावेजों, इन इमारतों का स्थलीय निरीक्षण और इमारत के स्थान पर विचार करने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर इन इमारतों को नियमों के अनुरूप बनाने पर विचार किया जाएगा, ऐसी जानकारी कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के नगर नियोजन विभाग के प्रभारी-सहायक निदेशक सुरेंद्र टेंगले ने 'लोकसत्ता' को दी। डोंबिवली में कुछ बिल्डरों ने नगर निगम से निर्माण परमिट प्राप्त किए बिना 58 अवैध इमारतों का निर्माण किया है और इन इमारतों के लिए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर महारेरा पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त किए हैं। आर्किटेक्ट संदीप पाटिल ने इन अवैध निमार्णों के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें इन अवैध निमार्णों को ध्वस्त करने की मांग की गई थी।

नगर निगम ने न्यायालय को तीन महीने के भीतर इन निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई करने का

आश्वासन दिया है। नगर निगम ने 58 इमारतों के निवासियों को इमारतें खाली करने के लिए नोटिस जारी किए हैं। कुल 15 इमारतों के निवासियों ने न्यायालय से नगर निगम की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने नियमों के अनुरूप इमारतों को लाने के लिए नगर पालिका में आवेदन किया है। न्यायालय ने इन इमारतों पर कार्रवाई न करने का आदेश दिया है। 58 अवैध इमारतों में से सात इमारतों के निवासियों ने नियमों के अनुरूप इमारत लाने के लिए आर्किटेक्ट के माध्यम से नगर नियोजन विभाग को आवेदन दिया है। नगर पालिका द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पता चला है कि इनमें से करीब 33 इमारतें नगर पालिका से अनुमति लिए बिना आरक्षित भूखंडों, कुछ ग्रीन बेल्ट और कुछ निजी भूमि पर बनाई गई हैं।

इस मामले में निर्माण करने वाले श्रमिकों और तत्कालीन नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। भवन के नियमों के अनुरूप प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद उस इमारत के दस्तावेजों की जांच की जाएगी। जरूरी दस्तावेज, इमारत नियामक ढांचे में फिट बैठती है या नहीं। इमारत ग्रीन बेल्ट, आरक्षित भूखंड या सड़कों पर अतिक्रमण कर रही है या नहीं, कारपेट एरिया का पहले उल्लंघन हुआ है या नहीं। इमारत में सामान्य दूरी है या नहीं, इन सभी पहलुओं की जांच के बाद ही वरिष्ठों के मार्गदर्शन में इमारत के नियमों के अनुरूप निर्णय लिया जाएगा, ऐसा सहायक निदेशक टेंगल ने बताया। महारेरा के 58 अवैध निर्माण मामले में यदि अनुपालन के लिए प्रस्ताव पेश किया जाता है, तो भी सभी दस्तावेजों की जांच की जाएगी। यह इमारतें नियमों का पालन करती हैं या नहीं, इसके लिए स्थल निरीक्षण किया जाएगा। उसके बाद उचित निर्णय लिए जाएंगे। यह सारी जानकारी न्यायालय को दी जाएगी।

मुंबई के मध्य और हार्बर लाइनों के स्टेशनों पर लगेंगे डिजिटल सेंसर...

मुंबईः मध्य रेलवे ने मुख्य और हार्बर लाइनों पर सभी एस्केलेटर में डिजिटल सेंसर लगाने का फैसला किया है, ताकि बार-बार रुकने की समस्या को दूर किया जा सके। मध्य रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फरवरी 2025 तक मेनलाइन और हार्बर लाइन के रूट्स पर सभी 164 एस्केलेटर में ऐसे सेंसर लगाए जाएंगे, जो एस्केलेटर को रिमोट से फिर से चालू कर सकेंगे। इससे एस्केलेटर को दोबारा शुरू करने में लगने वाला समय 25-30 मिनट से घटकर केवल 2-5 मिनट रह जाएगा।

यह फैसला मध्य रेलवे द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कर्जत/कसारा और CSMT से पनवेल तक के एस्केलेटर पर की गई एक इंटरनल स्टडी के बाद लिया गया। स्टडी में पाया गया कि प्रत्येक एस्केलेटर औसतन 128 बार प्रति माह रुकता है, जिसमें से 110 बार इसे हैंडल पर लगे लाल बटन को दबाकर मैन्युअल रूप से बंद किया जाता है। इससे यात्रियों, खासकर बुजुर्गों और दिव्यांग व्यक्तियों को असुविधा होती है। मध्य रेलवे के अधिकारी के अनुसार, एस्केलेटर रुकने की अधिकांश घटनाएं उन प्लैटफॉर्मों पर होती हैं, जहां लंबी दूरी की ट्रेनें रुकती हैं। उन्होंने बताया, 'सबसे ज्यादा मामले बुजुर्गों, महिलाओं, उपद्रवियों और कुलियों द्वारा जानबूझकर या अनजाने में लाल बटन दबाने के होते हैं। कभी-कभी एस्केलेटर के पास लगे सीसीटीवी फुटेज से दोषियों की पहचान हो जाती है, लेकिन रेलवे अधिनियम के तहत उन पर जुमार्ना लगाने का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए हम उनके खिलाफ कुछ नहीं कर सकते।'

अभी हर बार जब एस्केलेटर रुकता है, तो यह रेलवे स्टाफ या सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से संबंधित स्टेशन मास्टर को सूचित किया जाता है। स्टेशन मास्टर फिर इसे दोबारा चालू करने का कार्य संबंधित व्यक्ति को सौंपते हैं। यदि तकनीकी समस्या होती है, तो इसे निजी ठेकेदारों की मदद से ठीक कराया जाता है।

कल्याण-डोंबिवली : अवैध रूप से दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई...!

महाराष्ट्रः पिछले दो दिनों में पुलिस ने कल्याण और डोंबिवली शहर के विभिन्न इलाकों में तेज गति से दोपहिया वाहन चलाने वाले और दोपहिया वाहन पर तीन से चार लोगों को बैठाकर यात्रा करने वाले 150 से अधिक युवकों के खिलाफ रात के समय दंडात्मक कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से दोपहिया वाहन चालकों में रोष है। रात 10 बजे से आधी रात के बाद कुछ युवा दोपहिया वाहन चालक अपने महंगे, स्पोर्ट्स, हाई-स्पीड दोपहिया वाहन निकालते हैं और कल्याण और डोंबिवली शहर के विभिन्न इलाकों में खासकर ठाकुरली में 90 फुट रोड, कल्याण पूर्व में 100 फुट रोड, कल्याण पूर्व पुना जंक्शन रोड, गंधार ब्रिज से पडघा रोड, टिटवाला से वाडेघर बाईपास रोड, मोथागांव मनकोली रोड, फड़के रोड इलाकों में तेज गति से चलाते हैं।

ये वाहन चलाते समय तेज आवाज करते हैं। जब ये तेज बाइक सड़क पर चलाई जाती हैं, तो बाइक सवार वाहन की तकनीकी विशेषताओं का फायदा उठाते हैं और वाहन से कई तरह की तेज आवाजें निकालते हैं। चूंकि यह रात में होता है, इसलिए इससे शांति भंग होती है। नागरिकों की नींद में खलल पड़ता है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग और हृदय रोगी इस तेज आवाज से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। संबंधित सड़क क्षेत्रों

के नागरिक हर दिन इस शोर से पीड़ित हो रहे हैं। कल्याण और डोंबिवली शहर में रात में तेज गति से दोपहिया वाहन चलाने के उपद्रव के कारण, पुलिस उपायुक्त अतुल जेंडे ने स्थानीय पुलिस थानों को ऐसे चालकों पर कड़ी नजर रखने का आदेश दिया है। पिछले दो दिनों में, स्थानीय पुलिस ने शहर के विभिन्न हिस्सों में रात में तेज गति से दोपहिया वाहन चलाने वाले 150 युवा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। ऐसे चालकों को पकड़कर पहले 100 थप्पड़ मारे जाते हैं और फिर दंडात्मक कार्रवाई की जाती है।

इस कार्रवाई के बाद, अगर दोपहिया चालक दोबारा ऐसा करते पाया जाता है, तो उस पर आपराधिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी जाती है। कुछ लोग रात में बाइक पर तीन से चार लोगों को बिठाते हैं, इशारे करते हैं और तेज आवाज में गाना गाते हैं।

पूर्व सांसद प्रिया दत्त ने मुंबई की बदतर सड़कों, फुटपाथों और यातायात जाम के हालात पर नाराजगी जताई...

मुंबई : पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता प्रिया दत्त ने मुंबई में सड़कों, फुटपाथों के बुरे हाल, ट्रैफिक जाम और जगह-जगह कंस्ट्रक्शन के लिए की गई खुदाई पर नाराजगी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा है कि मुंबई एक तरह से रामभरोसे चल रही है। प्रिया के पोस्ट पर कई लोगों ने सहमति जताई है और लिखा है कि सिर्फ बांद्रा ही नहीं, मुंबई के लगभग सभी हिस्सों में लोग इसी तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं। प्रिया ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि मैं बांद्रा में पली-बढ़ी हूं। मैं अपने प्रिय बांद्रा को अब अपने सामने टूटता हुआ देख रही हूं। मैं यह अपनी कार में बैठे-बैठे लिख रही हूं। यहां मैं लगभग 40 मिनट तक ट्रैफिक में फंसी रही।

जाम में फंसी प्रिया दत्त

प्रिया दत्त ने कहा कि पाली हिल से वॉटरफील्ड रोड तक मात्र 2 किलोमीटर की दूरी तय करने की कोशिश कर रही थी। यह दूरी आम तौर कार से सिर्फ 5 से 7 मिनट में पूरी हो जाती है, लेकिन अब मुंबई में एक सामान्य दिन जैसा कुछ भी सामान्य नहीं रह गया है। मैं जो कुछ भी देख रही हूं, तो जाम में फंसी कारें हैं, सड़क के दोनों ओर वाहन खड़े हैं और बाइक सवार जो भी रास्ता मिलता है, उसमें से निकल जाते हैं।

'मुंबई वाले टैक्स दे रहे हैं, कहां जा रहा पैसा?'

पूर्व सांसद ने कहा, 'मुझे पैदल चलने वालों के लिए सबसे अधिक दुख है, जो कारों की भीड़, गड्ढों, टूटे हुए फुटपाथों और अंतहीन मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर

प्रोजेक्ट के बैरिकेड्स पर लिखे 'वर्क इन प्रोग्रेस' के साथ चलने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं, तो उन्हें इन संकेतों को कभी न खत्म होने वाले 'वर्क इन प्रोग्रेस' के साथ बदल देना चाहिए। इन चिंताओं को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसकी वजह से लोग स्ट्रेस, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। हम टैक्स दे रहे हैं, लेकिन हमारा पैसा कहां जा रहा है? अब समय आ गया है कि हम कार्रवाई करें और सुनिश्चित करें कि बांद्रा सभी के लिए एक सुंदर, सुरक्षित जगह बनी रहे।'

प्रिया दत्त की पोस्ट का सपोर्ट

उनकी पोस्ट पर एक महिला प्रियंवदा ने सपोर्ट करते हुए लिखा है कि यह दृश्य अब मुंबई के हर कोने में है। बांद्रा, दादर, सायन, वर्ली, आप नाम बताइए। पूरी मुंबई खोद दी गई है। इटउ बिल्डर लॉबी के लालच के आगे झुक गई है। मुंबई रहने लायक शहर नहीं रह गया है।

सड़क पर तेल फैलने से 5 दोपहिया वाहन गिरे, जिससे दुर्घटना हुई

ठाणे : ठाणे के नौपाड़ा इलाके के बी केबिन इलाके में सोमवार सुबह सड़क पर तेल फैल गया। सड़क पर फैले तेल पर पांच दोपहिया वाहन फिसल गए और अपना संतुलन खोकर दोपहिया सवारों के नीचे आ गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। बी केबिन इलाका ठाणे के नौपाड़ा इलाके में स्थित है। इस इलाके से ठाणे स्टेशन इलाके में सड़क जाती है। इस वजह से इस सड़क पर लगातार वाहनों की आवाजाही रहती है। सोमवार सुबह 6.40 बजे इस सड़क पर तेल फैल गया। यह तेल सड़क पर हर जगह फैल गया। सुबह यहां से गुजर रही दो बाइक फिसल गईं और बाइक सवार नीचे गिर गए। पांच बाइक फिसल गईं और हादसा हो गया। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। जैसे ही नागरिकों ने इसकी सूचना दी, नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क पर फैले तेल पर मिट्टी डाली और फिर सड़क को यातायात के लिए खोल दिया। इससे आगे की दुर्घटनाएं टल गईं। यह पता नहीं चल पाया है कि तेल सड़क पर कैसे फैला।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अवैध औषधीय दवाएं और नकली सिगरेट जब्त...!

मुंबई: नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई डिवीजन ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़े ऑपरेशन में अवैध औषधीय दवाएं और नकली सिगरेट जब्त कीं। ऑपरेशन के दौरान 74,000 गोलियां (29.6 किलोग्राम) और 2,44,400 नकली सिगरेट जब्त की गईं, जिन्हें अवैध रूप से विदेशों में निर्यात किया जा रहा था। इन दवाओं की कीमत करीब 75 लाख रुपये है. यह सामान खाद्य पदार्थों में छिपाकर लंदन ले जाया जा रहा था। जब्त किए गए पूरे सामान को कस्टम विभाग के पास जमा करा दिया गया है। साथ ही दो कूरियर और उत्पाद परिवहन कंपनियों की भी जांच की गई है. एनसीबी के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई शुक्रवार 3 जनवरी से शनिवार 4 जनवरी के बीच की गई.

मुंबई में कई जगहों पर वायु गुणवत्ता खराब

मुंबई: मुंबई में वायु प्रदूषण रोकने के लिए किए जा रहे तमाम प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। रविवार को एक बार फिर वायु गुणवत्ता कई स्थानों पर अच्छी नहीं पाई गई। शाम 6 बजे घाटकोपर की वायु गुणवत्ता 300 अदक (बहुत खराब) से अधिक रही, तो कई और इलाकों में 200 से अधिक अदक दर्ज की गई, जो कि खराब की श्रेणी में आती है। आसमान में बादलों की उपस्थिति भी रही। शाम कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हुई। इसने कुछ हद तक प्रदूषण से राहत दिलाई।

महानगर में प्रदूषण को नियंत्रण में लाने के लिए बीएमसी और महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड कई उपाय कर रहे हैं। फिर चाहे सड़क की सफाई हो या निर्माण कार्य से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए तमाम दिशानिर्देश।

मुंबई की औसतन वायु गुणवत्ता 200 अदकतक पहुंच गई थी, इसके बाद जब प्रदूषण रोकने के प्रयास किए गए, तो इसमें सुधार हुआ और अदक110 से 130 तक आया। लेकिन रविवार को एक बार फिर अदकमें बढ़त दर्ज की गई। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के वायु गुणवत्ता की मॉनिटरिंग करने वाले ऐप समीर के अनुसार, रविवार को शाम 6 बजे मुंबई की औसतन वायु गुणवत्ता 157 अदकदर्ज की गई, जो कि असंतोषजनक है। घाटकोपर में वायु गुणवत्ता का स्तर 304 अदक दर्ज किया गया, जिसे बेहद खराब माना जाता है। इसके अलावा इङउ में 229, गोवंडी में 229 और शिवडी में 205 अदकदर्ज की गई थी।

रविवार को मुंबई में बादल छाए हुए थे। शाम को दादर, कुर्ला, दहिसर, बोरीवली आदि में बूंदाबांदी हुई। क्षेत्रीय मौसम विभाग के निदेशक सुनील कांबले ने बताया कि उत्तर में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के साथ राजस्थान में एक छोटा साइक्लोनिक सकुर्लेशन बना हुआ है, जिसके चलते मुंबई के आसमान में भी बादल छाए रहे और कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी हुई है।

अवैध प्रवासियों के खिलाफ मुंबई पुलिस का एक्शन...

घाटकोपर से 13 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है. मुंबई पुलिस ने घाटकोपर इलाके से शनिवार (4 जनवरी) देर शाम 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है. ये सभी नालासोपारा इलाके में रहते थे. इनकी गिरफ्तारी बहुत ही नाटकीय तरीके से हुई है.

दरअसल, एक बांग्लादेशी की गिरफ्तारी से जुड़ी जांच के दौरान 13 और बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए. इन्हें भारत में अनधिकृत तरीके से प्रवेश करने और रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. महाराष्ट्र पुलिस अवैध प्रवासियों के खिलाफ करवाई लगातार जारी है. यह अब तक की सबसे बड़ी गिरफ्तारी बताई जा रही है.

ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि कुछ दिन पहले एक बांग्लादेशी नागरिक ने भिवंडी में 500 रुपये देकर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनवाया था. वह खुद को भारतीय नागरिक बताकर पुणे में रह रहा था. वह जुलाई में भारत आया था. पुलिस को ऐसी जानकारी मिली कि एक बांग्लादेशी नागरिक ने पुणे में ही एक जगह खरीद कर रहना शुरू कर दिया था. मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की.

इससे पहले गिरफ्तार किए गए थे 9 अवैध प्रवासी

पुलिस ने इससे पहले भी मुंबई, नासिक, नांदेड़ और छत्रपति सांभाजीनगर से 9 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार है. इन्हें महाराष्ट्र एटीएस ने स्थानीय पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया था. इनमें महिला भी शामिल है. इनकी उम्र 24 से 54 वर्ष के बीच बताई जा रही है. इन सभी ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर आधार कार्ड बनवाया था और अवैध तरीके से भारत में रहे थे. इन पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई. बता दें, देश भर में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान चल रहा है. इस क्रम में दिल्ली में भी ऐसे अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार कर उन्हें वापस उनके देश भेज दिया गया है.

सड़क पर तेल फैलने से 5 दोपहिया वाहन गिरे... जिससे दुर्घटना हुई

महाराष्ट्र: ठाणे के नौपाड़ा इलाके के बी केबिन इलाके में सोमवार सुबह सड़क पर तेल फैल गया। सड़क पर फैले तेल पर पांच दोपहिया वाहन फिसल गए और अपना संतुलन खोकर दोपहिया सवारों के नीचे आ गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। बी केबिन इलाका ठाणे के नौपाड़ा इलाके में स्थित है। इस इलाके से ठाणे स्टेशन इलाके में सड़क जाती है। इस वजह से इस सड़क पर लगातार वाहनों की आवाजाही रहती है। सोमवार सुबह 6.40 बजे इस सड़क पर तेल फैल गया। यह तेल सड़क पर हर जगह फैल गया।

सुबह यहां से गुजर रही दो बाइक फिसल गईं और बाइक सवार नीचे गिर गए। पांच बाइक फिसल गईं और हादसा हो गया। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। जैसे ही नागरिकों ने इसकी सूचना दी, नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क पर फैले तेल पर मिट्टी डाली और फिर सड़क को यातायात के लिए खोल दिया। इससे आगे की दुर्घटनाएं टल गईं। यह पता नहीं चल पाया है कि तेल सड़क पर कैसे फैला।

मुंबई में 2024 में लेप्टो स्पायरोसिस के मामलों में 45% कमी

बैक्टीरिया से बचाव के लिए चोट का तुरंत इलाज जरूरी...

मुंबईः महानगर में 2023 की तुलना में 2024 में भले लेप्टो स्पायरोसिस के मामले कम दर्ज हुए हों, लेकिन मौतें ज्यादा रहीं। जहां 2023 में लेप्टो से एक मरीज की मौत हुई थी, वहीं 2024 में 18 लोगों की जान गई। हालांकि, इससे संक्रमण में 45 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 2024 में कम जलजमाव, रोकथाम के लिए दवाओं का वितरण आदि के चलते संक्रमितों की संख्या कम हुई है। चौपाया जानवरों जैसे- चूहा, कुत्ता, बिल्ली और अन्य मवेशियों के संक्रमित मल-मूत्र के संपर्क में आने से लेप्टो बीमारी होने का जोखिम अधिक हो जाता है। खासकर मॉनसून में खतरा दोगुना तक बढ़ जाता है, क्योंकि मल-मूत्र पानी में मिल जाता है। ऐसे में, यदि जलजमाव वाले क्षेत्र से जाते हैं और पांव में चोट लगी है, तो बैक्टीरिया आपके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

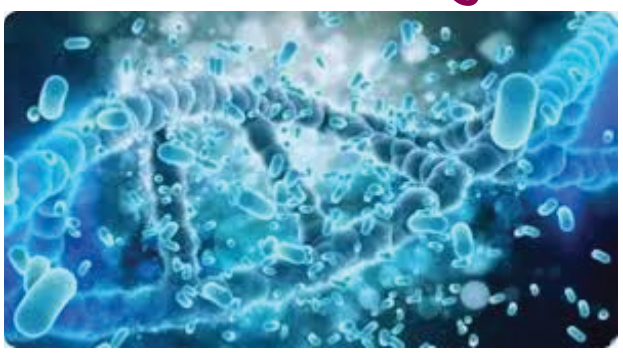

बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में लेप्टो के मुंबई में रिकॉर्ड 1,383 मामले रिपोर्ट हुए थे, लेकिन 2024 में अक्टूबर तक 761 लोगों में बीमारी की पुष्टि हुई। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमितों की संख्या में लगभग 45 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

बीएमसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 2024 में जलजमाव के उतने मामले नहीं थे। जहां जलजमाव हुआ भी, तो लंबे समय तक नहीं रहा। बीएमसी ने कई जगहों पर पंप लगाकर पानी निकासी के लिए उपाय योजना भी की थी, इसलिए लोगों को अधिक समय तक जलजमाव वाले क्षेत्र से नहीं गुजरना पड़ा। वहीं, 2023 में कई जगहों पर जलजमाव भी हुआ और मॉनसून के अलावा अन्य सीजन में भी काफी मामले मिले थे, जिसके चलते मामले ज्यादा थे।

बीएमसी की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दक्षा शाह ने बताया कि पिछले साल हमने जलजमाव वाले क्षेत्रों में 48 घंटे के भीतर लोगों को बीमारी का घर-घर जा सर्वे किया और हाई रिस्क वाले लोगों को दवा दी। इसके अलावा, कीटनाशक विभाग ने भी चूहों की रोकथाम पर काफी जोर दिया। भले 2024 में मुंबई में लेप्टो के मामले में गिरावट आई, लेकिन 18 लोगों को जान गंवानी पड़ी। इस बारे में डॉ. शाह ने बताया कि मरने वालों में अधिकतर लोग काफी गंभीर होने के बाद इलाज के लिए पहुंचे। इसमें से कई अन्य बीमारियों से भी जूझ रहे थे। यदि लोगों को बीमारी के लक्षण दिखते हैं, तो तत्काल जांच और इलाज करवाना चाहिए। राज्य में अक्टूबर 2024 तक लेप्टो के 924 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 21 लोगों की मौत हुई है। कुल मामलों में से मुंबई में 761, पुणे में 59, कोल्हापुर में 11 और नागपुर में 1 केस मिला है। कुल मौत में से मुंबई में 18, कोल्हापुर में 2 और नागपुर में 1 मौत हुई है।

कल्याण-डोंबिवली में पानी जमा हो गया, बिजली लाइन टूटी...

महाराष्ट्रः नगर पालिका की ओर से बिना किसी पूर्व सूचना के सोमवार सुबह कल्याण, डोंबिवली कस्बों में पानी की आपूर्ति नहीं की गई। तो नागरिकों ने नाराजगी जाहिर की. सोमवार की सुबह काम पर, बच्चों का स्कूल का पहला दिन। नगर पालिका से सोमवार सुबह पानी आने की उम्मीद लगाए बैठे नागरिकों को उस समय झटका लगा जब सोमवार सुबह सात बजे तक पानी नहीं आया। मोहने क्षेत्र में उल्हास खाड़ी के किनारे अमृत जल चैनल की खुदाई के दौरान रविवार शाम को महावितरण की बिजली लाइन टूट गई। मोहिली उदानचन केंद्र की जलापूर्ति बंद कर दी गयी. इसकी मार टिटवाला समेत दोनों शहरों पर पड़ी। दोपहर बाद जलापूर्ति बहाल कर दी गयी. यदि कल्याण, डोंबिवली, टिटवाला शहरों की जल आपूर्ति बंद करनी हो तो नगर पालिका नागरिकों की जानकारी के लिए पांच दिन पहले ऐसी सूचना प्रकाशित करती है। नगर पालिका की ओर से बिना किसी पूर्व सूचना के सोमवार सुबह पानी की आपूर्ति न होने से नागरिक परेशान हो गए। पानी की कमी के चलते सुबह से घनघना रहे थे मनपा अधिकारियों के फोन उल्हास नदी की खाड़ी के मोहाने इलाके में अमृत योजना का वाटर चैनल बिछाने का काम चल रहा है. इस कार्य के लिए अमृत योजना के ठेकेदार द्वारा उत्खनन कराया गया है। इस खुदाई के दौरान रविवार शाम को अमृत योजना के ठेकेदार द्वारा महावितरण की मोहिली उदानचन केंद्र तक आने वाली 150 मिलियन लीटर की भूमिगत बिजली लाइन को तोड़ दिया गया. इससे मोहिली उदानचन केंद्र की जलापूर्ति बंद हो गयी. उदांचन स्टेशन पर नदी से पानी उठाना बंद होने के कारण कल्याण, डोंबिवली, टिटवाला कस्बों की जल आपूर्ति प्रभावित हुई। बिजली लाइन टूटने के बाद उसे ठीक करने में करीब आठ घंटे का समय लगता है।

इतिहास में पहली बार...

मुंबई-नांदेड़ तपोवन एक्सप्रेस मनमाड के पास एक यात्री की मदद के लिए उल्टी दिशा में 700 मीटर चली

नासिक : नांदेड़ जाने वाली मुंबई-नांदेड़ तपोवन एक्सप्रेस ने नासिक और भुसावल के बीच 700 मीटर उल्टी चली। ऐसा नहीं है कि यह कोई तकनीकि समस्या थी या गलती से ट्रेन विपरीत दिशा में चलने लगी। ट्रेन के ड्राइवर ने ट्रेन को पीछे की ओर इसलिए चलाया ताकि एक घायल की मदद की जा सके। यह शख्स मनमाड जंक्शन के पास ट्रेन से गिर गया था। उसे अस्पताल ले जाया गया हालांकि उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

मंडल रेल प्रबंधक इति पांडे ने कहा, 'मनमाड जंक्शन के पास एक यात्री ट्रेन से गिर गया था। ट्रेन के लोको पायलट ने कंट्रोलर से अनुमति ली और घायल यात्री को लेने के लिए ट्रेन को उल्टी दिशा में मोड़ दिया।' मारे गए यात्री की पहचान उत्तर प्रदेश के रहने वाले सरवर शेख के रूप में हुई है। उसकी उम्र 30 साल थी। शनिवार को सुबह 11 बजे, जब नांदेड़ जाने वाली तपोवन एक्सप्रेस मनमाड जंक्शन के पास पहुंची, तो किसी ने आपातकालीन चेन खींच दी थी, जिसके कारण उसे जबरन रोकना पड़ा। मनमाड रेलवे स्टेशन के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'अलार्म चेन खींची गई, जिससे ट्रेन रुक गई। ट्रेन के गार्ड एस एस कदम को यात्रियों से पता चला कि तीसरे कोच से एक व्यक्ति गिर गया है। कदम ने लोको पायलट एम एस आलम से संपर्क किया, जिन्होंने फिर कंट्रोलर से संपर्क किया और वापस जाने की अनुमति मांगी।'

तपोवन एक्सप्रेस के पीछे चल रही एक मालगाड़ी को पहले स्टेशन पर रोक दिया गया, जिससे तपोवन एक्सप्रेस को वापस आकर यात्री को लेने के लिए जगह मिल गई। साथी यात्रियों ने घायल व्यक्ति को ढूंढ़ा और उसे उठाया, जिसके बाद ट्रेन मनमाड जंक्शन के लिए रवाना हुई।

पालघर जिले में सोमवार सुबह 3.7 तीव्रता का भूकंप

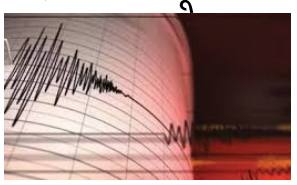

पालघरः महाराष्ट्र के पालघर जिले में सोमवार सुबह 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने एक आधिकारिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि भूकंप सुबह 4.35 बजे दहानू तालुका में दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि तालुका के बोरडी, दपचारी और तलासरी इलाकों में लोगों ने सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए। जिले में पहले भी कभी-कभार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं।

अपशिष्ट जल पुनर्संसाधन परियोजना को अगले दो वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य...

मुंबईः घरों और कारखानों से निकलने वाले अपशिष्ट जल को संसाधित करने के लिए मुंबई नगर निगम द्वारा शुरू की गई अपशिष्ट जल पुनर्संसाधन परियोजना को अगले दो वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत सात स्थानों वर्ली, बांद्रा, धारावी, वसोर्वा, मलाड, भांडुप और घाटकोपर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को अपडेट करने का काम तेजी से चल रहा है। घरों और कारखानों से निकलने वाले अपशिष्ट जल और सीवेज का प्रबंधन नगर निगम द्वारा किया जाता है। सवा करोड़ से अधिक की आबादी वाली मुंबई हर दिन लगभग 200 से 250 करोड़ लीटर सीवेज उत्पन्न करती है। इतने बड़े पैमाने पर पैदा होने वाले पानी को नगर निगम के उदानचन केंद्र में प्रोसेस किया जाता है. उपचारित अपशिष्ट जल को समुद्र, नदी या नाले में छोड़ दिया जाता है। नगर निगम ने यह सुनिश्चित करने के लिए 'मुंबई सीवरेज परियोजना' शुरू की है कि समुद्र में छोड़ा जाने वाला पानी बेहतर गुणवत्ता का हो। इस परियोजना के तहत वर्ली, बांद्रा, धारावी, वसोर्वा, मलाड, भांडुप और घाटकोपर नामक सात स्थानों पर सीवेज उपचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। सात स्थानों पर सिस्टम अपग्रेड किया जाएगा।

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने हाल ही में एक बैठक में मुंबई नगर निगम से पूछा था कि विभिन्न कारणों से कई वर्षों से रुका हुआ यह प्रोजेक्ट कब पूरा होगा। बोर्ड अध्यक्ष सिद्धेश कदम की मौजूदगी में एमपीसीबी और नगर निगम अधिकारियों की बैठक हुई. इस बैठक में सीवेज प्रोजेक्ट को लेकर प्रेजेंटेशन दिया गया. उस समय एमपीसीबी ने नगर पालिका से पूछा था कि यह प्रोजेक्ट कब तक पूरा होगा। इस बीच इस प्रोजेक्ट के सभी सात केंद्रों का काम तेजी से चल रहा है और घाटकोपर, भांडुप, वसोर्वा स्थित केंद्र का काम 2026 में पूरा हो जाएगा. नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि वर्ली, बांद्रा, धारावी में केंद्रों का उन्नयन 2027 में और मलाड परियोजना 2028 में पूरी हो जाएगी। मुंबई सीवेज परियोजना विभिन्न कारणों से कई वर्षों से रुकी हुई थी। जगह की कमी, पर्यावरणीय मंजूरी, प्रस्तावित परियोजना स्थल पर विवाद, समय-समय पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों में बदलाव के कारण परियोजना पिछले 10 वर्षों से रुकी हुई थी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com